"हिंदी, सिंधी तथा मराठी का मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय में हुई राष्ट्रीय संगोष्ठी"

हिंदी विभाग एवं गांधी अध्ययन केंद्र, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय, मुंबई तथा राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में दि. 18 सितंबर को भाषा, साहित्य और संस्कृति पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित हुई। यह संगोष्ठी हिंदी, सिंधी तथा मराठी भाषाओं के संदर्भ में हुई। संगोष्ठी का उद्घाटन किया महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी के कार्याध्यक्ष डॉ. शीतला प्रसाद दुबे तथा केंद्रीय हिंदी निदेशालय के उप निदेशक श्री शैलेश बिडालिया ने। संगोष्ठी में डॉ. रतन कुमार पांडेय, श्रीमती सुधा अरोड़ा, डॉ. प्रकाश भातंब्रेकर, डॉ. जवाहर कर्णावट, वसुधा सहस्रबुद्धे आदि ने भी तुलनात्मक अध्ययन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इसमें लगभग 100 लोगों ने प्रतिभागिता की। नानावटी महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. राजश्री त्रिवेदी ने संगोष्ठी में आए सभी अतिथियों का धन्यवाद दिया। गांधी अध्ययन केंद्र की संयोजक डॉ. सेजल शाह ने संगोष्ठी का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन किया हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. रवींद्र कात्यायन ने।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
हिंदी विभाग, मणिबेन नानावटी महिला महाविद्यालय, मुंबई
(Best College Award 2018-19)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी
भाषा, साहित्य एवं संस्कृति का तुलनात्मक अध्ययन

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली
(Best College Award 2018-19)
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
राष्ट्रीय संगोष्ठी